



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 36]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 21, 2012/फाल्गुन 2, 1933

No. 36]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 21, 2012/PHALGUNA 2, 1933

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 21 फरवरी, 2012

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2012

एलएडी-एनआरओ/जीएन/2011-12/38/4290.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2012 कहा जा सकेगा ।
2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
3. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 में,—
 - (i) विनियम 2 में, खंड (ख) के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् :—

“(ख) ‘विज्ञापन’ के अंतर्गत आस्ति प्रबंध कम्पनी/पारस्परिक निधि द्वारा या की ओर से जारी समस्त प्रकारों की वह संसूचना सम्मिलित होगी जो किसी विनिधानकर्ता (निवेशक)/भावी विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के विनिधान (निवेश) संबंधी विनिश्चयों पर असर डाल सकेगी;”;

- (ii) विनियम 25 में, उप-विनियम (18) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किये जायेंगे, अर्थात् :-

"(19) आस्ति प्रबंध कंपनी आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट विनिधान (निवेश) मूल्यांकन मानदंडों के अनुसार इसकी स्कीम (स्कीमों) द्वारा किये गये विनिधानों (निवेशों) के मूल्यांकन की संगणना करेगी तथा उनका मूल्यांकन करेगी, और उन्हें प्रकाशित करेगी।

(20) आस्ति प्रबंध कंपनी तथा पारस्परिक निधि का प्रायोजक अनुपयुक्त मूल्यांकन के परिणामस्वरूप किसी विनिधानकर्ता (निवेशक) के प्रति अनुचित व्यवहार के लिए प्रभावित विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) और/या स्कीम को मुआवजा देने के दायी होंगे।

(21) आस्ति प्रबंध कंपनी ऋण (डैट) तथा मुद्रा बाजार की प्रतिभूतियों में हुए सभी संव्यवहारों की रिपोर्ट देगी और उन्हें प्रकट करेगी, जिनमें अंतर-स्कीम अंतरण सम्मिलित हैं, जैसा बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाये।";

- (iii) विनियम 30 में,

(क) उप-विनियम (1) में,

1. शब्द "विज्ञापन" के पूर्व दिये हुए शब्दों "प्रत्येक स्कीम की बाबत" का लोप हो जायेगा ;
2. प्रतीकों तथा अंक, "(1)" का लोप हो जायेगा ;

(ख) उप-विनियम (2) का लोप हो जायेगा ;

- (iv) विनियम 47 के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् :-

"विनिधानों (निवेशों) का मूल्यांकन

47. प्रत्येक पारस्परिक निधि यह सुनिश्चित करेगी कि आस्ति प्रबंध कंपनी आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट विनिधान (निवेश) मूल्यांकन मानदंडों के अनुसार इसकी स्कीम (स्कीमों) द्वारा किये गये विनिधानों (निवेशों) के मूल्यांकन की संगणना करती है तथा उनका मूल्यांकन करती है, और उन्हें प्रकाशित करती है।";

- (v) विनियम 75 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

"पारस्परिक निधि और/या आस्ति प्रबंध कंपनी के खिलाफ कार्रवाई

75क. विनियम 68 पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, पारस्परिक निधि और/या आस्ति प्रबंध कंपनी अधिनियम और उसके अधीन बनाये गये विनियमों के लागू उपबंधों के अधीन कार्रवाई के लिए दायी होगी, -

- (क) यदि विज्ञापन छठी अनुसूची में विनिर्दिष्ट विज्ञापन संहिता का उल्लंघन करते हुए जारी किया जाता है ;
- (ख) यदि प्रतिभूतियों का मूल्यांकन आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट निष्पक्ष मूल्यांकन के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हुए किया जाता है ।";
- (vi) छठी अनुसूची के लिए, निम्नलिखित अनुसूची प्रतिस्थापित हो जायेगी, अर्थात् :-

" छठी अनुसूची

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996

[विनियम 30]

विज्ञापन संहिता

- (क) विज्ञापन यथार्थ, सही, उचित, स्पष्ट, पूर्ण, सुस्पष्ट तथा संक्षिप्त होगा ।
- (ख) विज्ञापन में ऐसे कथन अंतर्विष्ट नहीं होंगे जो मिथ्या, भ्रामक, पक्षपाती या धोखा देने वाले, धारणा / प्रक्षेपण पर आधारित हों और जिसमें कोई शंसापत्र या किसी मानदंड पर आधारित कोई श्रेणी-निर्धारण (रैंकिंग) अंतर्विष्ट नहीं होंगे ।
- (ग) विज्ञापनों का ढाँचा ऐसा नहीं होगा कि उनसे भ्रांति होने की संभावना हो या उनसे किसी कथन का अभिप्राय बदल जाने की संभावना हो । विज्ञापनों में ऐसे कथन अंतर्विष्ट नहीं होंगे जो प्रत्यक्ष रूप से या विवक्षित रूप से या लोप द्वारा विनिधानकर्ता (निवेशक) के लिए भ्रामक हो सकें ।
- (घ) विज्ञापन में ऐसा कोई वाक्य नहीं होगा जो बढ़ाचढ़ाकर कहा गया हो या अनधिकृत हो या ऐसा वाक्य जो उत्पाद (प्रोडक्ट) के स्वरूप तथा जोखिम एवं प्रतिफल रूपरेखा (प्रोफाइल) से असंगत या असंबद्ध हो ।
- (ङ) कोई भी प्रसिद्ध व्यक्ति विज्ञापन का भाग नहीं होंगे ।
- (च) विज्ञापन इस प्रकार नहीं बनाये जायेंगे, कि उनसे विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के अनुभव या ज्ञान के अभाव का शोषण हो । तकनीकी या विधिक शब्दावली या जटिल भाषा के व्यापक प्रयोग और अत्यधिक ब्यौरों को सम्मिलित किये जाने से बचना चाहिए, जिनसे विनिधानकर्ता (निवेशक) अपना मार्ग भटक जायें ।

- (छ) विज्ञापनों में ऐसी जानकारी अंतर्विष्ट होगी जो सामयिक और स्कीम सूचना दस्तावेज, अतिरिक्त सूचना विवरण और मूल सूचना ज्ञापन में किये गये प्रकटीकरणों से संगत हो ।
- (ज) कोई भी विज्ञापन प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः अन्य विज्ञापनों का अपयश नहीं करेगा या अनुचित तुलनाएँ नहीं करेगा ।
- (झ) विज्ञापनों के साथ साफ पढ़े जाने योग्य फॉण्ट में एक मानक चेतावनी होगी, जो यह कथन करती हो "पारस्परिक निधि (म्यूचुअल फंड) निवेशों में बाजार जोखिम होते हैं, स्कीम संबंधी सभी दस्तावेज ध्यान से पढ़ें" । मानक चेतावनी में कोई शब्द जोड़े नहीं जायेंगे या इसमें से कोई शब्द हटाये नहीं जायेंगे ।
- (ञ) दृश्य-श्रव्य मीडिया आधारित विज्ञापनों में, मानक चेतावनी, दृश्य रूप में पार्श्व स्वर (साथ-साथ सुनाई देती आवाज़) सहित, साफ-साफ सुनाई देने योग्य तथा समझने योग्य होगी । उदाहरण के लिए, दृश्य रूप में और पार्श्व स्वर दोनों में 17 शब्दों वाली मानक चेतावनी कम से कम 5 सेकंड तक चलने पर स्पष्ट तथा समझने योग्य मानी जा सकेगी । " ;

(vii) आठवीं अनुसूची में,

- (क) संदर्भ शीर्षक में, शब्द तथा संख्या, "विनियम 47", शब्द तथा संख्याओं "विनियम 25(19), 47" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ;
- (ख) शीर्षक "विनिधान मूल्यांकन मानदंड" के अधीन दिये हुए शब्दों तथा प्रतीक "पारस्परिक निधि निम्न मूल्यांकन मानदंडों के अनुसार इसके विनिधानों का मूल्यांकन करेगी :-" का लोप हो जायेगा ;
- (ग) शीर्षक "विनिधान मूल्यांकन मानदंड" के पश्चात्, निम्नलिखित उप-शीर्षक तथा खंड अंतःस्थापित किये जायेंगे, अर्थात् :-

"निष्पक्ष मूल्यांकन के सिद्धांत

पारस्परिक निधि निम्नलिखित सर्वोपरि सिद्धांतों के अनुसार अपने विनिधानों (निवेशों) का मूल्यांकन करेगी ताकि सभी समयों पर सभी स्कीमों में सभी विनिधानकर्ताओं (निवेशकों), जिनमें विद्यमान विनिधानकर्ता और पारस्परिक निधियों की यूनिटों का क्रय या मोचन चाहने वाले विनिधानकर्ता (निवेशक) सम्मिलित हैं, के प्रति उचित व्यवहार सुनिश्चित हो सके :

- (क) विनिधानों (निवेशों) का मूल्यांकन निष्पक्ष मूल्यांकन के सिद्धांतों पर आधारित होगा, अर्थात्, मूल्यांकन प्रतिभूतियों / आस्तियों के वसूलीयोग्य मूल्य का प्रतिबिंब होगा ! मूल्यांकन सद्भावपूर्वक और

सही तथा उचित रीति से समुचित मूल्यांकन नीतियों एवं प्रक्रियाओं के माध्यम से किया जायेगा।

- (ख) आस्ति प्रबंध कंपनी के बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीतियाँ और प्रक्रियाएँ उन कार्यपद्धतियों का निर्धारण करेंगी जिनका प्रयोग पारस्परिक निधि स्कीमों द्वारा धारित प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूतियों / आस्तियों का मूल्यांकन करने के लिए किया जायेगा। पारस्परिक निधि स्कीम द्वारा नयी प्रकार की प्रतिभूतियों / आस्तियों में विनिधान (निवेश) आस्ति प्रबंध कंपनी के बोर्ड के अनुमोदन से ऐसी प्रतिभूतियों हेतु मूल्यांकन कार्यपद्धतियों को नियत करने के पश्चात् ही किया जायेगा।
- (ग) पारस्परिक निधियों द्वारा धारित आस्तियों का मूल्यांकन निरंतर नीतियों एवं प्रक्रियाओं के अनुसार किया जायेगा। नीतियों एवं प्रक्रियाओं में उन असाधारण दशाओं से निपटने की प्रक्रिया का वर्णन होगा, जहाँ बाजार भाव किसी विशिष्ट प्रतिभूति के लिए विश्वसनीय न रह गये हों।
- (घ) आस्ति प्रबंध कंपनी मूल्यांकन नीतियों एवं प्रक्रियाओं की आवधिक समीक्षा की व्यवस्था करेगी, ताकि प्रयोग की गयी कार्यपद्धतियों की समुचितता तथा यथार्थता और प्रतिभूतियों / आस्तियों का मूल्यांकन करने में इनका प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके। न्यासी बोर्ड तथा आस्ति प्रबंध कंपनी का बोर्ड समुचित अंतरालों पर इन गतिविधियों से अवगत रहेंगे। मूल्यांकन नीतियों एवं प्रक्रियाओं की समीक्षा स्वतंत्र लेखापरीक्षक द्वारा नियमित रूप से (वित्तीय वर्ष में कम से कम एक बार) की जायेगी, ताकि उनकी सतत समुचितता को सुनिश्चित करने का प्रयास हो सके।
- (ङ) आस्ति प्रबंध कंपनी के बोर्ड द्वारा अनुमोदित मूल्यांकन नीतियों एवं प्रक्रियाओं से हित-विरोध दूर करने का प्रयास करना चाहिए।
- (च) आस्ति प्रबंध कंपनी के बोर्ड द्वारा अनुमोदित मूल्यांकन नीति एवं प्रक्रियाओं का प्रकटीकरण (प्रत्येक प्रवर्ग की प्रतिभूतियों / आस्तियों के मूल्यांकन जहाँ स्कीम विनिधान (निवेश) करेगी, परिस्थिति जहाँ इन पद्धतियों का प्रयोग किया जायेगा, प्रक्रिया तथा कार्यपद्धति और इन पद्धतियों के कार्यान्वयन के प्रभाव, यदि कोई हो, के संबंध में) अतिरिक्त सूचना विवरण में, आस्ति प्रबंध कंपनी / पारस्परिक निधि के वेबसाइट पर और किसी अन्य स्थान पर जहाँ बोर्ड

विनिर्दिष्ट करे किया जायेगा, ताकि आस्ति प्रबंध कंपनी द्वारा अपनाये जाने वाले मूल्यांकन संबंधी मानदंडों की पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

- (छ) मूल्यांकन की सत्यता एवं निष्पक्षता और सही एन.ए.वी. की जिम्मेदारी आस्ति प्रबंध कंपनी की होगी, अनुमोदित मूल्यांकन नीतियों एवं प्रक्रियाओं के प्रकटीकरण का विचार किये बिना, अर्थात्, यदि मूल्यांकन की स्थापित नीतियों एवं प्रक्रियाओं के परिणामस्वरूप निष्पक्ष / समुचित मूल्यांकन नहीं होता है, तो आस्ति प्रबंध कंपनी स्थापित नीतियों एवं प्रक्रियाओं से विचलित होगी, ताकि आस्तियों / प्रतिभूतियों का उचित मूल्य पर मूल्यांकन हो सके:

परंतु यह कि प्रकट की गयी मूल्यांकन नीति एवं प्रक्रियाओं से किसी विचलन को अनुज्ञात किया जा सकेगा, न्यासी बोर्ड तथा आस्ति प्रबंध कंपनी के बोर्ड को समुचित रिपोर्टिंग करते हुए और विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को समुचित प्रकटीकरण करते हुए।

- (ज) आस्ति प्रबंध कंपनी के पास गलत मूल्यांकन का पता लगाने तथा उसे रोकने के लिए नीतियाँ और प्रक्रियाएँ होंगी।
- (झ) मूल्यांकन जिसमें अंतर-स्कीम अंतरण सम्मिलित हैं के तर्काधार के दस्तावेज आस्ति प्रबंध कंपनी द्वारा इन विनियमों के विनियम 50 के अनुसार बनाये रखे जायेंगे तथा परिरक्षित रखे जायेंगे ताकि ऑडिट ट्रेल समर्थ हो सके।
- (ञ) ऋण (डैट) तथा मुद्रा बाजार की प्रतिभूतियों के मूल्यांकन में निष्पक्षता लाने के लिए, आस्ति प्रबंध कंपनी समस्त उपलब्ध पब्लिक प्लेटफार्म पर सूचित एक ही प्रतिभूति या वैसी ही प्रतिभूति के व्यापारों (सौदों) की कीमतों पर विचार करेगी।

उपरोक्त के अतिरिक्त, पारस्परिक निधि निम्नलिखित मूल्यांकन संबंधी मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार अपने विनिधानों (निवेशों) का मूल्यांकन कर सकेगी। ऊपर ब्यौरेवार दिये गये निष्पक्ष मूल्यांकन के सिद्धांतों और इसके नीचे बोर्ड द्वारा जारी मूल्यांकन संबंधी मार्गदर्शक सिद्धांतों के बीच या अन्यत्र किसी विरोध की दशा में, ऊपर ब्यौरेवार दिये गये निष्पक्ष मूल्यांकन के सिद्धांत अभिभावी होंगे।

मूल्यांकन संबंधी मार्गदर्शक सिद्धांत " ;

- (घ) खंड 2 के उप-खंड (ii) में, शब्दों तथा प्रतीक "किया जायेगा ।" के पश्चात् और शब्दों "ऐसे निर्णय" के पूर्व, निम्नलिखित शब्द तथा प्रतीक अंतःस्थापित किये जायेंगे, अर्थात् :-

"उदाहरण के लिए, अल्पकालिक परिपक्वताओं (मैच्यूरिटी) वाली अव्यापारित ऋण (डैट) तथा मुद्रा बाजार की प्रतिभूतियाँ, जैसा बोर्ड द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाये, क्रमिक अपाकरण आधार पर मूल्यांकित की जा सकेंगी परंतु यह कि ऐसा मूल्यांकन प्रतिभूतियों के उचित मूल्य को प्रतिबिंबित करेगा और सभी विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) से उचित व्यवहार हो । "

यू. के. सिन्हा, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/69-जैड बी/11/असा.]

पाद टिप्पण :-

1. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996, मूल विनियम, का.आ. सं. 856(अ), 9 दिसम्बर 1996 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे ।
2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 तत्पश्चात् -
 - (क) 15 अप्रैल 1997 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 1997, का.आ. सं. 327 (अ), द्वारा
 - (ख) 12 जनवरी 1998 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 1998, का.आ. सं. 32 (अ), द्वारा
 - (ग) 8 दिसम्बर 1999 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 1999, का.आ. सं. 1223 (अ), द्वारा
 - (घ) 14 मार्च 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2000, का.आ. सं. 235 (अ), द्वारा
 - (ङ) 28 मार्च 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण को अपील) (संशोधन) विनियम, 2000, का.आ. सं. 278 (अ), द्वारा

- (च) 22 मई 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2000, का.आ. सं. 484 (अ), द्वारा
- (छ) 23 जनवरी 2001 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2001, का.आ. सं. 69 (अ), द्वारा
- (ज) 29 मई 2001 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्तियों द्वारा विनिधान सलाह) (संशोधन) विनियम, 2001, का.आ. सं. 476 (अ), द्वारा
- (झ) 23 जुलाई 2001 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2001, का.आ. सं. 698 (अ), द्वारा
- (ञ) 20 फरवरी 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2002, का.आ. सं. 219 (अ), द्वारा
- (ट) 11 जून 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2002, का.आ. सं. 625 (अ), द्वारा
- (ठ) 30 जुलाई 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2002, का.आ. सं. 809 (अ), द्वारा
- (ड) 9 सितम्बर 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (चौथा संशोधन) विनियम, 2002, का.आ. सं. 956 (अ), द्वारा
- (ढ) 27 सितम्बर 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002, का.आ. सं. 1045 (अ), द्वारा
- (ण) 29 मई 2003 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2003, का.आ. सं. 632 (अ), द्वारा
- (त) 12 जनवरी 2004 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2004, फा.सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/4/2004, द्वारा
- (थ) 10 मार्च 2004 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004, का.आ. सं. 398 (अ), द्वारा
- (द) 12 जनवरी 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2006, का.आ. सं. 38(अ), द्वारा
- (ध) 22 मई 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2006, का.आ. सं. 783(अ), द्वारा
- (न) 3 अगस्त 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2006, का.आ. सं. 1254(अ), द्वारा

- (प) 27 दिसम्बर 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (चौथा संशोधन) विनियम, 2006, फा. सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/82534/2006, द्वारा
- (फ) 27 दिसम्बर 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (पाँचवाँ संशोधन) विनियम, 2006, फा. सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/83065/2006, द्वारा
- (ब) 28 मई 2007 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2007, फा. सं. 11/एलसी/जीएन/2007/2518, द्वारा
- (भ) 31 अक्टूबर 2007 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2007, फा. सं. 11/एलसी/जीएन/2007/4646, द्वारा
- (म) 31 मार्च 2008 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (फ्रीस का संदाय) (संशोधन) विनियम, 2008, फा. सं. 11/एलसी/जीएन/2008/21669, द्वारा
- (य) 16 अप्रैल 2008 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2008, फा. सं. एलएजी-एनआरओ/जीएन/2008/03/123042, द्वारा
- (यक) 22 मई 2008 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2008, सं. एल.ए.डी.-एन.एन.ओ./जी.एन./2008/09/126202, द्वारा
- (यख) 29 सितम्बर 2008 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2008, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2008/24/139426, द्वारा
- (यग) 8 अप्रैल 2009 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2009, सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2009-10/01/159601, द्वारा
- (यघ) 5 जून 2009 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2009, सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2009-10/07/185404, द्वारा
- (यङ) 29 जुलाई 2010 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2010, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2010-11/13/13945, द्वारा
- (यच) 30 अगस्त 2011 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2011, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2011-12/27668, द्वारा

संशोधित हुए थे।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA**NOTIFICATION**

Mumbai, the 21st February, 2012

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (MUTUAL FUNDS)
(AMENDMENT) REGULATIONS, 2012**

LAD-NRO/GN/2011-12/38/4290.—In exercise of the powers conferred by section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, namely:—

1. These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2012.
2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
3. In the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996,—

(i) in regulation 2, for clause (b), the following shall be substituted, namely:—

“(b) “advertisement” shall include all forms of communication issued by or on behalf of the asset management company/mutual fund that may influence investment decisions of any investor/prospective investors;”;

(ii) in regulation 25, after the sub-regulation (18), the following sub-regulations shall be inserted, namely:—

“(19) The asset management company shall compute and carry out valuation of investments made by its scheme(s) in accordance with the investment valuation norms specified in Eighth Schedule, and shall publish the same.

(20) The asset management company and the sponsor of the mutual fund shall be liable to compensate the affected investors and/or the scheme for any unfair treatment to any investor as a result of inappropriate valuation.

(21) The asset management company shall report and disclose all the transactions in debt and money market securities, including inter scheme transfers, as may be specified by the Board.”;

(iii) in regulation 30,

(a) in sub-regulation (1),

1. the words, "in respect of every scheme" appearing after the word "Advertisement", and before the words, "shall be in conformity with" shall be omitted;
2. the symbols and figure, "(1)" shall be omitted;

(b) sub-regulation (2) shall be omitted;

(iv) for regulation 47, the following shall be substituted, namely:—

"Valuation of investments

47. Every mutual fund shall ensure that the asset management company computes and carries out valuation of investments made by its scheme(s) in accordance with the investment valuation norms specified in Eighth Schedule, and publishes the same.";

(v) after regulation 75, the following regulation shall be inserted, namely:—

"Action against mutual fund and/or asset management company

75A. Without prejudice to regulation 68, a mutual fund and/or asset management company shall be liable for action under the applicable provisions of the Act and the Regulations framed thereunder,—

- (a) in case the advertisement issued is in contravention with the Advertisement Code specified in Sixth Schedule;
- (b) in case the valuation of securities is in contravention of the Principles of Fair Valuation specified in Eighth Schedule.";

(vi) for the Sixth Schedule, the following schedule shall be substituted, namely:—

"SIXTH SCHEDULE

Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996
[Regulation 30]

ADVERTISEMENT CODE

- (a) Advertisements shall be accurate, true, fair, clear, complete, unambiguous and concise.
- (b) Advertisements shall not contain statements which are false, misleading, biased or deceptive, based on assumption/projections and shall not contain any testimonials or any ranking based on any criteria.
- (c) Advertisements shall not be so designed as likely to be misunderstood or likely to disguise the significance of any statement. Advertisements shall

not contain statements which directly or by implication or by omission may mislead the investor.

- (d) Advertisements shall not carry any slogan that is exaggerated or unwarranted or slogan that is inconsistent with or unrelated to the nature and risk and return profile of the product.
- (e) No celebrities shall form part of the advertisement.
- (f) Advertisements shall not be so framed as to exploit the lack of experience or knowledge of the investors. Extensive use of technical or legal terminology or complex language and the inclusion of excessive details which may detract the investors should be avoided.
- (g) Advertisements shall contain information which is timely and consistent with the disclosures made in the Scheme Information Document, Statement of Additional Information and the Key Information Memorandum.
- (h) No advertisement shall directly or indirectly discredit other advertisements or make unfair comparisons.
- (i) Advertisements shall be accompanied by a standard warning in legible fonts which states 'Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.' No addition or deletion of words shall be made to the standard warning.
- (j) In audio-visual media based advertisements, the standard warning in visual and accompanying voice over reiteration shall be audible in a clear and understandable manner. For example, in standard warning both the visual and the voice over reiteration containing 14 words running for at least 5 seconds may be considered as clear and understandable.”;

(vii) in the Eighth Schedule,

- (a) in the reference title, the word and number, “regulation 47” shall be substituted with the word and numbers “regulations 25(19), 47”;
- (b) the words and symbol “Mutual fund shall value its investments according to the following valuation norms.” appearing under the heading “Investment Valuation Norms”, shall be omitted;
- (c) after the heading “Investment Valuation Norms”, the following sub-headings and clauses shall be inserted, namely:—

“Principles of Fair Valuation

Mutual fund shall value its investments in accordance with the following overarching principles so as to ensure fair treatment to all investors including existing investors as well as investors seeking to purchase or redeem units of mutual funds in all schemes at all points of time:

- (a) The valuation of investments shall be based on the principles of fair valuation i.e. valuation shall be reflective of the realizable

value of the securities/assets. The valuation shall be done in good faith and in true and fair manner through appropriate valuation policies and procedures.

- (b) The policies and procedures approved by the Board of the asset management company shall identify the methodologies that will be used for valuing each type of securities/assets held by the mutual fund schemes. Investment in new type of securities/assets by the mutual fund scheme shall be made only after establishment of the valuation methodologies for such securities with the approval of the Board of the asset management company.
- (c) The assets held by the mutual funds shall be consistently valued according to the policies and procedures. The policies and procedures shall describe the process to deal with exceptional events where market quotations are no longer reliable for a particular security.
- (d) The asset management company shall provide for the periodic review of the valuation policies and procedures to ensure the appropriateness and accuracy of the methodologies used and its effective implementation in valuing the securities/assets. The Board of Trustee and the Board of asset management company shall be updated of these developments at appropriate intervals. The valuation policies and procedures shall be regularly reviewed (at least once in a Financial Year) by an independent auditor to seek to ensure their continued appropriateness.
- (e) The valuation policies and procedures approved by the Board of asset management company should seek to address conflict of interest.
- (f) Disclosure of the valuation policy and procedures (with regard to valuation of each category of securities/assets where the scheme will invest, situation where these methods will be used, process and methodology and impact of implementation of these methods, if any) approved by the Board of the asset management company shall be made in Statement of Additional Information, on the website of the asset management company /mutual fund and at any other place where the Board may specify to ensure transparency of valuation norms to be adopted by asset management company.
- (g) The responsibility of true and fairness of valuation and correct NAV shall be of the asset management company, irrespective of disclosure of the approved valuation policies and procedures i.e. if the established policies and procedures of valuation do not result in fair/ appropriate valuation, the asset management company shall deviate from the established policies and

procedures in order to value the assets/ securities at fair value:

Provided that any deviation from the disclosed valuation policy and procedures may be allowed with appropriate reporting to Board of Trustees and the Board of the asset management company and appropriate disclosures to investors.

- (h) The asset management company shall have policies and procedures to detect and prevent incorrect valuation.
- (i) Documentation of rationale for valuation including inter scheme transfers shall be maintained and preserved by the asset management company as per regulation 50 of these regulations to enable audit trail.
- (j) In order to have fairness in the valuation of debt and money market securities, the asset management company shall take in to consideration prices of trades of same security or similar security reported at all available public platform.

In addition to the above, a mutual fund may value its investments according to the following Valuation Guidelines. In case of any conflict between the Principles of Fair Valuation as detailed above and Valuation Guidelines issued by the Board hereunder or elsewhere, the Principles of Fair Valuation detailed above shall prevail.

Valuation Guidelines”;

- (d) in sub-clause (ii) of clause 2, after the words and symbol “Board of the asset management company.” and before the words, “Such decision of the Board”, the following words and symbol shall be inserted, namely:—

“For example, non traded debt and money market securities of short term maturities, as may be specified by the Board from time to time, may be valued on amortization basis provided that such valuation shall be reflective of the fair value of the securities and all investors are treated fairly.”

U. K. SINHA, Chairman

[ADVT. III/4/69-ZB/11/Exty.]

Footnotes:-

1. The Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, the Principal Regulations, were published in the Gazette of India on December 9, 1996 vide S.O. No. 856 (E).
2. The Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996 were subsequently amended –
 - (a) on April 15, 1997 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 1997 vide S.O. No.327 (E).
 - (b) on January 12, 1998 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds)(Amendment) Regulations, 1998 vide S.O. No.32 (E).
 - (c) on December 08, 1999 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 1999 vide S O No.1223 (E).
 - (d) on March 14, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2000 vide S.O. No.235 (E)
 - (e) on March 28, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Appeal to the Securities Appellate Tribunal) (Amendment) Regulations, 2000 vide S.O. No.278 (E).
 - (f) on May 22, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2000 vide S.O. No.484 (E).
 - (g) on January 23, 2001 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds)(Amendment) Regulations, 2001 vide S.O. No.69 (E).
 - (h) on May 29, 2001 by the Securities and Exchange Board of India (Investment Advice by Intermediaries) (Amendment) Regulations, 2001 vide S.O. No.476 (E).
 - (i) on July 23, 2001 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2001 vide S.O. No.698 (E).
 - (j) on February 20, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds)(Amendment) Regulations, 2002 vide S.O. No.219 (E).
 - (k) on June 11, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2002 vide S.O. No.625 (E).
 - (l) on July 30, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Third Amendment) Regulations, 2002 vide S.O. No.809 (E).
 - (m) on September 9, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds)(Fourth Amendment) Regulations, 2002 vide S.O. No.956 (E).
 - (n) on September 27, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002 vide S.O. No.1045 (E).
 - (o) on May 29, 2003 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2003 vide S.O. No. 632 (E).
 - (p) on January 12, 2004 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2004 vide F.No. SEBI/LAD/DOP/4/2004.
 - (q) on March 10, 2004 by the Securities and Exchange Board of India (Criteria for Fit and Proper Person) Regulations, 2004 vide S.O. No. 398 (E).
 - (r) on January 12, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds)(Amendment) Regulations, 2006 vide S.O. No. 38 (E).
 - (s) on May 22, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2006 vide S.O. No. 783 (E).
 - (t) on August 3, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Third Amendment) Regulations, 2006 vide S.O. No. 1254 (E).
 - (u) on December 27, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Fourth Amendment) Regulations, 2006 vide F No SEBI/LAD/DOP/82534/2006.

- (v) on December 27, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Fifth Amendment) Regulations, 2006 vide F. No. SEBI/LAD/DOP/83065/2006.
- (w) on May 28, 2007 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2007 vide F. No. 11/LC/GN/2007/2518.
- (x) on October 31, 2007 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2007 vide F. No. 11/LC/GN/2007/4646.
- (y) on March 31, 2008 by the Securities and Exchange Board of India (Payment of Fees) (Amendment) Regulations, 2008 vide F. No. 11/LC/GN/2008/21669.
- (z) on April 16, 2008 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2008 vide F. No. LADNRO/ GN/2008/03/123042.
- (za) on May 22, 2008 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2008 vide No. LADNRO/GN/2008/09/126202.
- (zb) on September 29, 2008 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Third Amendment) Regulations, 2008 vide No. LADNRO/ GN/2008/24/139426.
- (zc) on April 8, 2009 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2009 vide No. LAD-NRO/GN/2009-10/01/159601.
- (zd) on June 5, 2009 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2009 vide No. LAD- NRO/GN/2009-10/07/165404.
- (ze) on July 29, 2010 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2010 vide No. LAD-NRO/GN/2010-11/13/13945.
- (zf) on August 30, 2011 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2011 vide No. LAD-NRO/GN/2011-12/27668.
